

लम्बद
ल लफ्जों
फर्जों में
हिए।
3) 'इज्जत'
री समझ
या और
हा तमाम
मुन्दर्जों

17/12/25

॥० ३५०॥ अश्वि० राजपूत अह०
जिसकी दाजिनी माफ़ी पेवा हुई जी
आज के लिये स्वीकार की जाती है
५१००० १०००० १०००० मु लिये विचार
६१/२६ कापेरा है

वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट
साँगोद जिला कोटा (राज०)

25/11/25